साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 41 | गोंदिया : गुरुवार, 19 से 25 मई 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

रकम डबल का खेल खत्म : ११ आरोपी गिरफ्तार, 3 फरार

पुलिस ने बरामद किए १० करोड़ रुपए : बालाघाट जिले के लांजी व किरनापुर क्षेत्र में फलफूल रहा था कम समय में पैसे दोगुने करने का खेल

नवीन अग्रवाल, बुलंद गोंदिया - बालाघाट जिले में पिछले कई महीनों से एजेंटों के माध्यम से पैसे दोगुने करने के गोरखधंधे पर बालाघाट पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जिले की लांजी और किरनापुर तहसील में अवैध रुप से लोगों को झांसा देकर राशि जमा करने के मामले में तीन प्रकरण दर्ज करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 3 आरोपी फरार हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 10 करोड़ रुपए, मोबाइल तथा लेने-देन के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रुम में आयोजित पत्रकारवार्ता में पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने बताया कि उक्त कार्रवाई अनिमित जमा योजना प्रतिबंद्ध अधिनियम 2019 के तहत की गई है, जिसमें लगातार सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अलग-अलग टीम का गठन किया था। कुछ लोगों द्वारा अवैध रुप से लोगों से राशि जमा करता पाया गया। पुलिस द्वारा मुख्य आरोपियों के ठिकानों पर दबिश देने पर उनके द्वारा कोई वैद्यानिक अनुमति, रजिस्ट्रेशन अथवा अन्य कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। पुलिस ने उक्त अधिनियम की धारा 21(1), 21(2) के तहत लांजी व किरनापुर थानों में अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

लांजी में दो और किरनापुर में एक प्रकरण

एसपी सौरभ ने बताया कि भविष्य की तबाही को समय रहते रोकने के मकसद से उक्त कार्रवाई की गई है। जिसमें लांजी में दो और किरनापुर में एक प्रकरण दर्ज किया गया है। इनमें तीन मुख्य आरोपी हैं, जिनमें सोमेंद्र योगेंद्र कंकरायने व हेमराज तुलसीराम आमाडारे दोनों निवासी लांजी तथा अजय बृजलाल तिड़के निवासी किरनापुर शामिल हैं। पुलिस ने तीनों आरोपियों के साथ उनके एजेंटों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 16 नग मोबाइल और 3 नग वाहन जब्त किया है। हालांकि, मामला सैकड़ों करोड़ों का संभावित है। जिले के आसपास महाराष्ट्र के भी लोग जेवर, संपत्ति बेचकर, गिरवी रखकर पैसे डबल करने में लगा रहे थे। ऐसी भी चर्चा है कि आरोपी बिटकॉइन का भी कारोबार करते थे।

निशानदेही पर बरामद किए 10 करोड़

जानकारी के अनुसार, सोमेंद्र के अधीन तामेश रामप्रसाद मंसुरे, राकेश रामप्रसाद मंसुरे और प्रदीप दिनेश कंकरायने को गिरफ्तार किया है। सोमेंद्र की निशानदेही पर 5 करोड़ की राशि बरामद की गई है। इसी तरह हेमराज आमाडारे के अधीन धनराज आमाडारे, कुंदन यादव, ललित वैष्णव और राहुल बापुरे बतौर एजेंट काम कर रहे थे। हेमराज आमाडारे की निशानदेही पर 3 करोड़ तथा अजय तिड़के के अधीन महेश तिड़के, शिवजीत चिले और मनोज सोनेकर को गिरफ्तार कर अजय तिड़के की निशानदेही पर 2 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। इस मामले में महेश तिड़के, कुंदन यादव तथा धनराज आमाडारे फरार हैं, जिनकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पूछताछ की ये प्रारंभिक चरण

एसपी सौरभ ने बताया कि विगत कई दिनों से जारी डबल के खेल में कई लोगों ने अपनी जमा-पूंजी लगाई है। पुलिस ने एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए मामले की खोजबीन शुरु कर दी है। अभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, जिसका अभी प्रारंभिक चरण है। ये बड़े नेटवर्क के रुप में काम कर रहे थे। पुलिस अन्य राज्यों से जुड़े तार, अन्य संपत्ति का ब्योरा सहित पूरे रैकेट की बारीकी से जांच कर रही है।

घबराएं नहीं, वैध निवेशकों को दिलाएंगे पैसे

एसपी सौरभ ने उन लोगों को राहत दी है, जो इन जालसाजों के चंगुल में फंसकर अपनी गाढ़ी कमाई लगा बैठे थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों के पास से मिले दस्तावेज, डायरी की तस्दीक के बाद वैध निवेशकों को उनका पैसा वापस लौटाने का प्रयास किया जाएगा।

अपील : झांसे में न आए जनता

बालाघाट पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे कम समय में पैसे दोगुने करने की स्कीम के झांसे में न आएं तथा अपनी मेहनत की कमाई जालसाजों के हाथों में न दें। उन्होंने कहा कि विश्व में कहीं भी ऐसी कोई स्कीम नहीं है कि जो दो या तीन महीने में आपके पैसे दोगुने कर दे। लोग अपने पैसे सही और वैध जगह निवेश करें।

लांजी-किरनापुर में बनाएंगे हेल्प डेस्क

पुलिस ने बताया कि इस मामले में पीड़ितों की मदद के लिए पुलिस लांजी तथा किरनापुर में हेल्प डेस्क शुरु करने जा रही है। जहां वे लोग जिनके साथ धोखाधड़ी हुई है, वे हेल्पडेस्क में अपने दस्तावेज तथा शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पुलिस मामलों को गंभीरता से लेकर ठोस कार्रवाई की जाएगी।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार

सोमेंद्र योगेंद्र कंकरायने (28) बोलेगांव लांजी, तामेश रामप्रसाद मंसुरे (28) कोकना किरनापुर, राकेश रामप्रसाद मंसुरे (24) कोकना किरनापुर, प्रदीप दिनेश कंकरायने (23) बोलेगांव लांजी, हेमराज तुलसीराम आमाडारे (36) बोलेगांव लांजी, ललित खेमराम वैष्णव (19) बोलेगांव लांजी, राहुल राजकुमार बापूरे (28) बोलेगांव लांजी, रामचंद्र नानूलाल कालबेले (43) बोलेगांव लांजी, अजय स्व. बृजलाल तिड़के (38) छिंदीकुंआ किरनापुर, शिवजित मायाराम चिले (28) डोलरी लांजी, मनोज टेकलाल सोनेकर (33) किन्ही किरनापुर

गोंदिया जिले के नागरिकों ने लगाए करोड़ों रु.

बालाघाट जिले के लांजी और किरनापुर क्षेत्र में कुछ ही दिनों में राशि डबल करने का खेल चल रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया जिले से भी सैकड़ों नागरिकों द्वारा रकम डबल होने के लालच में करोड़ों रुपए जमा किए गये हैं। जिससे उनकी राशि पर भी अब खतरा मंडराने लगा है। जिले के नागरिकों के करोड़ों रुपए डूबने की संभावना है। जिसमें विशेष कर बालाघाट जिले से लगे आमगांव, सालेकसा व रावणवाड़ी के साथ ही गोंदिया शहर के भी नागरिक बड़ी संख्या में शामिल है। जिसमें किसान, मजदूर, शिक्षक, यहां तक कि गोंदिया नगर परिषद के एक जनप्रतिनिधी का नाम भी सामने आ रहा है।

नौजवान ही प्रगतिशील राष्ट्र की बुनियाद

पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला भाजपा युवा मोर्चा का युवा स्नेह सम्मेलन स्पंदन 3.0 का शुभारंभ वैभव लॉन में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के हस्ते किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम युवा मोर्चा अध्यक्ष संदीप राहंगडाले व भाजपा विद्यार्थी मोर्चा अध्यक्ष सुमित महावत के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डी. बी.साइंस कॉलेज व एन.एम.डी. कॉलेज के पदाधिकारी, प्राध्यापक व विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर अपने संबोधन में गोपालदास अग्रवाल ने कहा कि हर प्रगतिशील राष्ट्र की बुनियाद उसके नौजवान हैं। नींव जितनी मजबूत होंगी, उतना ही मजबूत और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण होगा। मुझे खुशी है कि भारतीय जनता पार्टी का अनुवांशिक संगठन युवा मोर्चा एवं विद्यार्थी मोर्चा इस दिशा में सार्थक पहल कर रहा है और रचनात्मक कार्यक्रम के माध्यम से छात्र-छात्राओं में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। जिससे वे आने वाले भविष्य की चुनौतियों को बेहतर ढंग से मुकाबला कर सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को देखकर अपार हर्ष हो रहा है। गोंदिया जिले में नौजवानों के उज्जवल भविष्य की अपार संभावना है। जिसके लिए हमारे माध्यम से अनेक रोजगार कार्यक्रमों को प्रारंभ किया गया है। गोंदिया मेडिकल कॉलेज से लेकर गोंदिया के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना इस दिशा में उठाए गए सार्थक कदम है, जिसका लाभ गोंदिया के विद्यार्थियों को प्राप्त हो रहा है। एएनएम, जीएनएम नर्सिंग कॉलेज से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थियों को रोजगार के लिए ज्यादा प्रयास नहीं करने पड़ते। भविष्य में गोंदिया मेडिकल कॉलेज में डेंटल कॉलेज लाकर क्षेत्र के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक मेडिकल कोर्स प्रदान करने का हमारा दृढ़ संकल्प है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता तथा गुरुजनों के बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा की ओर ध्यान केंद्रित कर अपने बेहतर भविष्य का स्वयं निर्माण करें। इस अवसर पर जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष संदीप राहंगडाले ने कहा कि पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल के मार्गदर्शन में हमने सदैव स्वस्थ एवं प्रगतिशील युवा राजनीति को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। कार्यक्रम की सफलता के लिए सुमित महावत, रोहन रंगारी, लालवानी, तिजेश गौतम, हिमांशु सोनकुसरे, तहसीम शाह, गौरव चन्नेकर, सोनी सिरसे, योगिता चिखलोडे, राखी वेदांत, हिना थापा व अध्ययनरत युवा विद्यार्थियों ने विशेष सहयोग दिया।

ड्युटी पर तैनात पुलिसकर्मी चंद्रशेखर बिसेन की हार्डअटैक से मौत

बुलंद गोंदिया - गोंदिया पुलिस मुख्यालय में तैनात पुलिसकर्मी चंद्रशेखर बृजलाल बिसेन की मंगलवार 17 मई की दोपहर हार्ड अटैक से आकस्मिक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय में तैनात पुलिस नायक चंद्रशेखर बृजलाल बिसेन भंडारा जेल से आरोपियों को पुलिस वैन में गोंदिया न्यायालय में ला रहे थे। इसी दौरान मार्ग में अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई। जिसे उसके सहयोगीयो द्वारा उसके गणेश नगर स्थित उनके अस्थाई निवास पहुंचाया गया। जिसके पश्चात उसे उपचार के लिए गणेश नगर के एक निजी चिकित्सालय में ले जाया गया। स्थिति चिंताजनक होने पर उसे आगे के उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा जांच के पश्चात उन्हे मृत घोषित किया गया।

उपरोक्त प्रकरण में गोंदिया शहर पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया। मृतक पुलिसकर्मी का अंतिम संस्कार उसके मूल गांव देवरी में किया जाएगा।

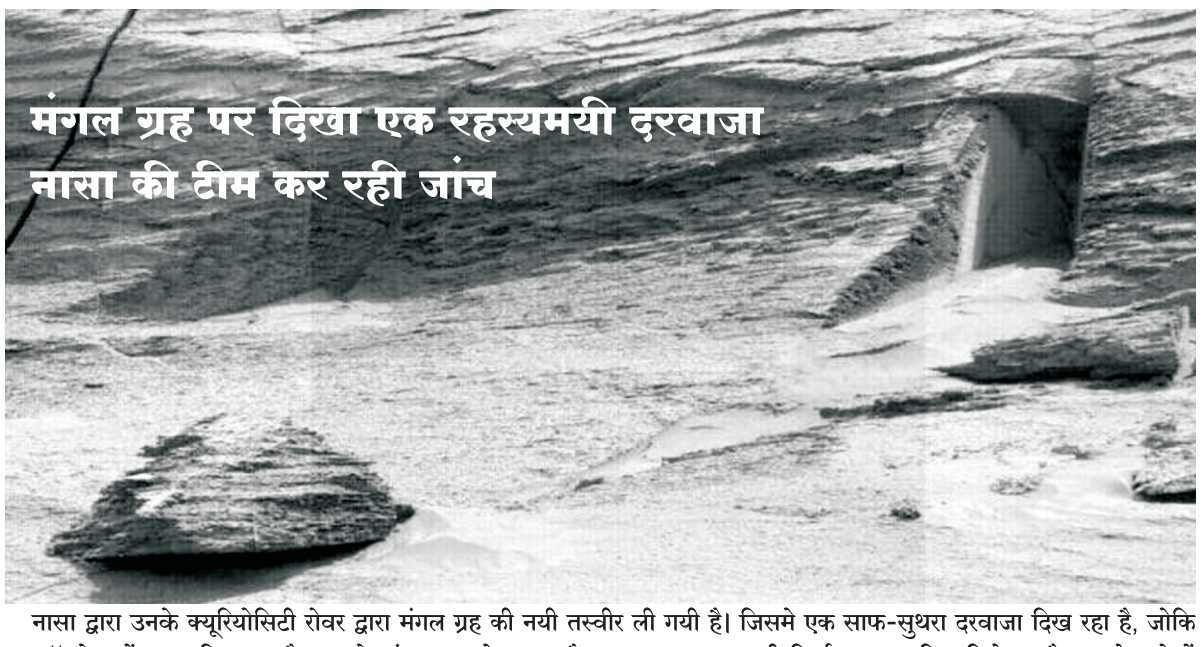

नासा द्वारा उनके क्यूरियोसिटी रोवर द्वारा मंगल ग्रह की नयी तस्वीर ली गयी है। जिसमे एक साफ-सुथरा दरवाजा दिख रहा है, जोकि एक रॉकफेस में जाता दिख रहा है। द्वार के अंदर क्या हो सकता है? क्या यह चट्टान की सिर्फ एक प्राकृतिक विशेषता है? इसके बारे में अभी कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। शायद यही वजह है कि इस बारे में अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और सिद्धांतकारों के बीच बहस चल रही है।

२८ किलो गांजा सहित १० लाख का माल जप्त

चार आरोपी हिरासत में लोकल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

बुलंद गोंदिया - गोंदिया लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा डुग्गीपर थाना अंतर्गत कोहमारा-गोंदिया मार्ग पर ग्राम डव्वा के समीप नाकाबंदी कर 28 किलो मादक पदार्थ गांजा सहित 10 लाख 47 हजार 6 सौ रुपए का माल जप्त कर चार आरोपियों को हिरासत में लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोंदिया लोकल क्राइम ब्रांच को पेट्रोलिंग के दौरान जानकारी प्राप्त हुई की डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत गोंदिया निवासी अरुण चौरे नाम का व्यक्ति अपने हुंडई कार क्रमांक एमएच 14 एक्यू 5333 वाहन में उड़ीसा से मादक पदार्थ गांजा की बिक्री हेतु तस्करी कर गोंदिया ला रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक विश्व अपाचे के मार्गदर्शन में डुग्गीपार पुलिस थाना परिसर में कोहमारा-गोंदिया मार्ग पर ग्राम डव्वा के समीप ताज चिकन सेंटर के सामने मार्ग पर नाकाबंदी कर सड़क अर्जुनी से गोंदिया की ओर आ रहे हुंडई वरना वाहन चालक वार्ड क्रमांक 17 श्रीनगर निवासी संजय काशीनाथ बंसोड़ (41), व उसकी बाजू की सीट में बैठे सुंदरनगर निवासी अजय हगरु राहुलकर (53) व दूसरे वाहन होंडा सिटी क्र सीजी 04 झेडएक्स 7755 के वाहन चालक मजिदपुर पुलिस स्टेशन गंगाझरी निवासी गुलाब घनश्याम गिरि (31) व बाजू में बैठे कुम्हारटोली मालवीय वार्ड निवासी अरुण केवल चौरे (37) को रोककर वाहन की जांच पंचों के समक्ष किए जाने पर एक वाहन में प्लास्टिक की दो बोरी व दूसरे वाहन में प्लास्टिक की एक बोरी पाई गई। जिसकी जांच किए जाने पर हल्का हरा काले रंग का पदार्थ दिखाई दिया, जिसकी जांच किए जाने पर मादक पदार्थ गांजा होने का खुलासा हुआ। जिसका वजन किए जाने पर कुल वजन 28 किलो 50 ग्राम जिसकी कीमत 336600 तथा दोनों वाहनों की कीमत 7 लाख तथा दो मोबाइल कीमत 11000 इस प्रकार कुल 10 लाख 47 हजार 600 रुपए का माल जप्त किया गया।

उपरोक्त मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ डुग्गीपार पुलिस थाने में धारा 8(क), 20(क), 29 एनडीपीसी एक्ट 1985 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां 19 मई तक पुलिस हिरासत में भेजे जाने का आदेश न्यायालय द्वारा दिया गया। मामले की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक संजय पांडरे डुग्गीपार पुलिस थाने द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक बबन आव्हाड, सहायक पुलिस निरीक्षक विजय शिंदे, पुलिस उपनिरीक्षक तेजेंद्र मेश्राम, सफो गोपाल कापगते, पोहवा तुलसीराम लुटे, अर्जुन कावडे, पोना सोमेंद्र तुरकर, रियाज शेख, पोका संतोष केदार, विजय मानकर, चालक पोहवा वंजार, पोसी मुरली पांडे द्वारा की गई। उपरोक्त दल का जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा अभिनंदन किया गया।

संपादकीय

बेकाबू महंगाई

महंगाई के मामले में चिंताजनक बात यह भी है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में महंगाई के तेवर ज्यादा तीखे हैं। जहां शहरों में खुदरा महंगाई 7-8 फीसद रही, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह 8-38 फीसद दर्ज हुई। यह ज्यादा संकट की बात इसलिए भी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के पास रोजगार नहीं है, आमद के स्रोत भी बेहद सीमित हैं, ऊपर से महंगाई की मार अलग।

अप्रैल में खुदरा महंगाई दर 7-8 फीसद हो गई। यह पिछले आठ साल में सबसे ज्यादा है। यह चिंताजनक इसलिए है कि महंगाई दर रिजर्व बैंक के निर्धारित छह फीसद के दायरे से पहले ही काफी ऊपर जा चुकी है। हालांकि रिजर्व बैंक कहता रहा है कियह साल महंगाई की मार में ही गुजरेगा। सबसे ज्यादा दाम खाने-पीने के सामान के बढ़ रहे हैं।

रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान बनाने वाली कंपनियां उत्पादों के दाम बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं। गौरतलब है कि आटा पिछले एक साल में तेरह फीसद से ज्यादा महंगा हो गया है। साबुन, शैंपू जैसे उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनियों ने उत्पादों के दाम पंद्रह फीसद तक बढ़ा दिए हैं।

ऐसे में त्वरित उपभोग का सामान बनाने वाली कंपनियां कैसे पीछे रहतीं! मैगी, बिस्कुट, चाय, काफी जैसे खाद्य उत्पादों के दामों में खासा इजाफा हो रहा है। अप्रैल में भी खुदरा महंगाई इसीलिए बढ़ी है कि सब्जियां पंद्रह फीसद से ज्यादा और खाने के तेल सत्रह फीसद से ज्यादा महंगे हो गए। ईधन की कीमतें अपनी रयतार से बढ़ ही रही हैं। बीते महीने ईंधन के दामों में करीब ग्यारह फीसद का इजाफा हुआ है। ऐसे में खुदरा महंगाई कैसे नहीं बढ़ती?

महंगाई बढ़ने के पीछे जो कारण हैं, वे अभी भी वहीं हैं जो पिछले कई महीनों से चले आ रहे हैं। खुदरा महंगाई में सबसे ज्यादा आग पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ रहे दामों ने लगाई है। अब तक यही कहा जा रहा है कि रुस-यूक्रेन युद्ध की वजह से कच्चा तेल महंगा है और इसका असर पेट्रोल-डीजल के दाम पर पड़ रहा है।

पेट्रोल-डीजल महंगा होने से माल ढुलाई भी बढ़ती जा रही है। जाहिर है, इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। खाने की थाली से जुड़ी शायद ही कोई ऐसी चीज हो जो महंगाई की मार से अछूती हो। गुजरे दो साल में हल्दी के दाम करीब साठ फीसद तक बढ़ गए। मसाले पंद्रह से बीस फीसद महंगे हो गए। चावल के दाम में बीस फीसद से ज्यादा की तेजी आ गई।

यह भी गौर करने वाली बात है कि देश के अलग-अलग राज्यों में महंगाई भी अलग-अलग तरह से असर दिखा रही है। कुल मिला कर आम आदमी महंगाई के ऐसे दुश्चक्र में फंस गया है कि वह मुंहमांगा दाम देने को मजबूर है। देखा जाए तो उसके सामने इसके अलावा और चारा रह भी क्या गया है?

महंगाई के मामले में चिंताजनक बात यह भी है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में महंगाई के तेवर ज्यादा तीखे हैं। जहां शहरों में खुदरा महंगाई 7-8 फीसद रही, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह 8-38 फीसद दर्ज हुई। यह ज्यादा संकट की बात इसलिए भी है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के पास रोजगार नहीं है, आमद के स्रोत भी बेहद सीमित हैं, ऊपर से महंगाई की मार अलग।

वैसे तो शहरों में भी रोजगार और आमद का हाल कोई अच्छा नहीं है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि केंद्र और राज्यों की ओर से अब तक ऐसे कोई कदम उठते नहीं दिख रहे जो महंगाई पर लगाम लगा सकें। महंगाई के मुद्दे पर भी राजनीति ही देखने के मिल रही है। पेट्रोल-डीजल पर करों में कटौती को लेकर जिस तरह से केंद्र और राज्य एक दूसरे पर ठीकरे फोड़ते दिखते हैं, वह महंगाई की मार से कहीं ज्यादा पीड़ादायक है।

इससे पता चलता है कि आम आदमी के दर्द को लेकर सरकारें कितनी संवेदनहीन हैं। महंगाई को थामने के लिए रिजर्व बैंक ने नीतिगत दरें बढ़ाने का दांव तो चला है। लेकिन यह कितना कामयाब रहता है, इसका पता तो आने वाले दिनों में ही पता चलेगा।

रेप तो रेप है

दिल्ली हाईकोर्ट के दो जजों की बेंच ने मैरिटल रेप यानी पत्नी से जबरन संबंध बनाने के मुद्दे पर बुधवार को बंटा हुआ फैसला सुनाया था। दोनों जजों ने पक्षकारों को सुप्रीम कोर्ट जाने की आजादी दी। ऐसे में माना जा सकता है कि मैरिटल रेप का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट में ही तय होगा।

मैरिटल रेप से जुड़ी याचिकाओं पर आया दिल्ली हाईकोर्ट का बंटा हुआ फैसला उन लोगों के लिए निराशाजनक है, जो धारा 375 के तहत पत्नी से रेप करने वालों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कराने की लड़ाई लड़ रहे हैं। दो जजों की बेंच के फैसले में एक जज ने इस कानूनी सुरक्षा को असंवैधानिक बताते हुए इसे संविधान की धारा 14, 15, 19 (1) और 21 का उल्लंघन करार दिया, लेकिन दूसरे जज को यह पूरी तरह तर्कसंगत लगा। धारा 375 के इस प्रावधान के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर सेक्शुअल रिश्ता बनाता है और पत्नी की उम्र 18 साल से कम नहीं है तो इसे कानूनन अपराध नहीं माना जाएगा।

स्वाभाविक ही स्त्री-पुरुष समानता के पक्षधर इस कानूनी प्रावधान को खत्म करके शादी के रिश्ते को ज्यादा न्यायपूर्ण बनाने का आग्रह कर रहे हैं। यह जद्दोजहद सिर्फ भारत में नहीं बल्कि कई और देशों में चली और चल रही है। ब्रिटेन 1991 में ही मैरिटल रेप को अपराध घोषित कर चुका है। कई अन्य देश भी इस कानूनी प्रावधान से मुक्त हो चुके हैं। इसे बरकरार रखते हुए भारत दरअसल बांग्लादेश, नाइजीरिया, ईरान और सऊदी अरब जैसे देशों की श्रेणी में खड़ा है। दिलचस्प है कि केंद्र सरकार इस कानूनी प्रावधान के खिलाफ अभी तक कोई स्पष्ट रुख अख्तियार नहीं कर पाई।

2017 में दायर एक हलफनामे में सरकार ने इसे हटाए जाने का विरोध करते हुए कहा था कि मैरिटल रेप को कानूनी अपराध बनाने से शादी की संस्था में बिखराव आ जाएगा और यह पतियों को प्रताड़ति करने का एक साधन बन जाएगा। हालांकि बाद में सरकार ने अदालत से कहा कि वह अपने इस रुख पर पुनर्विचार कर रही है। इसके बाद भी उसने कोर्ट से यही कहा कि इस मुद्दे को महज एक कानूनी प्रावधान की संवैधानिक वैधता के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि देश के लिए इसके दूरगामी कानूनी और सामाजिक निहितार्थ होंगे। अपना रुख तय करने के लिए सरकार कोर्ट से और वक्त मांगती रही, जिस पर कोर्ट को कहना पड़ा कि अगर आप चाहते हैं, हम इस मामले पर सुनवाई अनिश्चित काल के लिए टाल दें तो ऐसा नहीं होने वाला।

ध्यान रहे कि विवाहेतर संबंधों को कानूनन अपराध न माने जाने संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भी केंद्र सरकार का स्टैंड यही था कि इससे विवाह संस्था की पवित्रता को खतरा पैदा हो जाएगा। सरकार के ऐसे रुख को देखते हुए साफ है कि मैरिटल रेप जैसे मसले पर विधायिका और कार्यपालिका से किसी सार्थक पहल की उम्मीद नहीं की जा सकती। ऐसे में जेंडर जस्टिस के लिहाज से न्यायपालिका ही समाज की आखिरी उम्मीद बचती है।

संवेदनहीनता की हद

इंसाफ की आस में पुलिस के पास पहुंचने वाले कमजोर तबकों के लोगों के प्रति उपेक्षा से भरे और यहां तक कि अमानवीय बर्ताव करने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं।

मध्यप्रदेश में भूख से तड़पते एक बच्चे के साथ एक पुलिसकर्मी ने जो किया, वह एकबारगी अविश्वसनीय घटना लगती है। मगर इससे संबंधित जो ब्योरा सामने आया, उसने हर संवेदनशील व्यक्ति को दहला दिया होगा। चार मई को दतिया जिले में छह साल का एक मासूम अपने पिता की दुकान से घर के लिए निकला, लेकिन रास्ता भटक गया और दूसरी जगह पहुंच गया। काफी देर हो जाने के बाद जब उसे भूख लगी तो एक जगह ड्यूटी पर तैनात हवलदार से उसने कुछ पैसे मांगे।

कायदे से उस पुलिसकर्मी को बच्चे से उसकी मुश्किल के बारे में अपनी ओर से पूछ कर मदद करनी चाहिए थी, उसे उसके घर पहुंचाना चाहिए था। यह न केवल मानवीय तकाजा था, बल्कि पुलिस महकमे में होने के नाते उसकी जिम्मेदारी भी थी। मगर इसके उलट हवलदार ने गला दबा कर बच्चे की हत्या कर दी और शव को ठिकाने लगाने ग्वालियर ले गया। सीसीटीवी में इस घटना के कैद होने की वजह से वह पुलिसकर्मी पकड़ में आ सका, वरना उसने मामले पर पर्दा डालने के लिए अपनी ओर से हर संभव कोशिश की।

घटना सामने के बाद आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर उसे तुरंत बर्खास्त करने की कानूनी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। लेकिन यह वाकया हमारे आसपास पल रही अमानवीयता के कई तकलीफदेह स्तरों को दर्शाता है। किसी भटके हुए मदद मांग रहे बच्चे के प्रति कोई भी व्यक्ति इतना संवेदनहीन कैसे हो सकता है? कई बार अपराधियों के भीतर भी मानवीय व्यवहारों के उदाहरण को अपवाद के रुप में पेश किया जाता है, लेकिन किसी आम इंसान के भीतर इस तरह की बर्बरता की कल्पना भी नहीं की जाती है।

ऐसे तमाम मामले देखे जाते हैं जब कोई व्यक्ति अगर किसी की मदद नहीं करना चाहता है तो वह बहाना बना कर टाल देता है, अलग हट जाता है या सीधे शब्दों में मना कर देता है। यह उसकी संवेदना या परिस्थितियों के प्रति उसकी मानसिकता पर निर्भर करता है। लेकिन दतिया जिले की घटना में किसी औसत और सीमित समझ वाले व्यक्ति से इतर हवलदार के पद पर काम करने वाले व्यक्ति का संदर्भ है। कोई पुलिसकर्मी किसी बच्चे के पैसा मांगने से इतना परेशान कैसे हो जा सकता है कि वह गला दबा कर उसे मार डाले!

इंसाफ की आस में पुलिस के पास पहुंचने वाले कमजोर तबकों के लोगों के प्रति उपेक्षा से भरे और यहां तक कि अमानवीय बर्ताव करने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। जरुरतमंदों की सहायता और सुरक्षा के नारे के साथ काम का दावा करने वाली पुलिस की छवि पर ऐसी घटनाएं एक सवाल की तरह होती हैं। एक सभ्य समाज में सामान्य और आदर्श स्थिति यह होनी चाहिए कि मुश्किल स्थिति बता कर मदद मांगने वाले किसी व्यक्ति की वास्तविक स्थिति को समझ कर उसकी सहायता करने की मानसिकता आम हो।

हमारे देश में और दुनिया में कमोबेश यह सोच हर जगह एक बेहतर मानवीय मूल्य के तौर पर स्वीकार की जाती है। ज्यादातर लोग ऐसा करते भी हैं। लेकिन पुलिस महकमे से जुड़े व्यक्ति को तो इस तरह की मदद अपना दायित्व समझ कर करनी चाहिए! इस लिहाज से देखें तो इस घटना में आरोपी हवलदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जरुर की गई है, जिसमें घटना को अपराध की नजर देखा गया होगा। लेकिन समूचे पुलिस महकमे के लिए यह सोचने का मौका है कि क्या इस सेवा का चुनाव करने वाले सभी लोगों के लिए मानवीय सवालों के प्रति संवेदनशील बनाने की खातिर अलग से प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने की जरुरत है।

सीएम चौहान के हस्ते हुआ यूनाइटेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुभारंभ

गोंदिया के मरीजों को अब नहीं जाना पड़ेगा बाहर - मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के नए यूनाइटेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर का शुभ शुभारंभ मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री व गोंदिया के दामाद शिवराजसिंह चौहान के हस्ते भव्य समारोह में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यूनाइटेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में अब जिले के मरीजों के साथ-साथ मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के मरीजों को भी उच्च स्तरीय चिकित्सा गोंदिया में ही उपलब्ध होंगी, जिससे अब जिले के मरीजों को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। गोंदिया के युवा चिकित्सकों ने एक नई पहल कर जिले को चिकित्सा के क्षेत्र में एक नई सौगात दी है। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, महाराष्ट्र के पशु संवर्धन विकास मंत्री सुनील केदार, विधायक विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापुरे, आशीष जायसवाल, गौरीशंकर बिसेन, प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, राजेंद्र जैन, हेमंत पटले, केशव मानकर, अमर काले आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे। उन्होंने भी अपने संबोधन में चिकित्सकों को शुभकामनाएं दी व जिले के नागरिकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए उनको धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम के अवसर पर सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ व मोमेंटो देकर डॉ.दर्पण चौधरी, डॉ. अभिषेक भालोटीया, डॉ. वैभव नासरे, पराग जयपुरिया, डॉ पायल चौधरी, डॉ.जूही भालोटीया, डॉ.शुभांगी नासरे, डॉ.निधि जयपुरिया, कुशल अग्रवाल, डॉ. सचिन केलंका व डॉ. सृष्टि केलनका द्वारा सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन अपूर्व अग्रवाल ने किया।

आगे मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि गोंदिया जिले व बालाघाट तथा आसपास के जिले के लोगों को अब तक उच्च स्तरीय चिकित्सा के लिए नागपुर व अन्य स्थानों पर जाना पड़ता था। लेकिन अब गोंदिया के विभिन्न क्षेत्रों में स्पेलिस्ट 11 युवा डॉक्टरों के दल ने मिलकर एक शानदार सौगात गोंदिया को दी है। गोंदिया जिले में यूनाइटेड हॉस्पिटल के रुप में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा का आकस्मिक स्थिति में मरीजों को बड़ा लाभ मिल सकेगा तथा समय व धन की भी बचत होगी। मैं मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री हूँ। किंतु दामाद के रुप में गोंदिया शहर व जिलेवासियों ने हमेशा मुझे भव्य आदर व सम्मान दिया है। वैसे तो मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि कोई बीमार ही न पड़े। लेकिन ईश्वर के बनाए संसार में यह हो नहीं सकता। किंतु मेरी यह प्रार्थना है कि भगवान जरुर स्वीकार करेगा कि यूनाइटेड सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में इलाज के लिए जो भी आए वह स्वस्थ होकर अपने घर लौटे। यूनाइटेड अस्पताल बहुत ही शानदार व आधुनिक बनाया गया है, मैं कहना चाहता हूं कि शरीर को स्वस्थ रखने के दो ही उपाय है, एक तो हमारी जीवनशैली ऐसी हो कि हम बीमारी न हो। दूसरा व्यायाम, प्राणायाम, खानपान की शैली में संयम बरतकर शरीर को स्वस्थ रखे तथा बीमार ही न होने दें। उन्होंने सभी चिकित्सकों को उनके इस प्रयास के लिए बधाइयां दी।

अजजा के बच्चों के लिए विदेश में अध्ययन छात्रवृत्ति योजना

बुलंद गोंदिया - सरकार ने अनुसूचित जनजाति के छात्रों को प्रतिकूल सामाजिक परिस्थितियों के कारण अनुसूचित जनजाति के छात्रों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करने के लिए 31 मार्च, 2005 के सरकारी संकल्प के अनुसार विदेशों में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति को मंजूरी दी है। तद्नुसार, अनुसूचित जनजाति के छात्रों को विदेश में अध्ययन करने का अवसर प्रदान करने और उनकी गुणवत्ता को बढ़ावा देने के लिए, सरकारी संकल्प में आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। जिन्हें विदेशी विश्वविद्यालयों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। इस योजना के तहत, एक छात्र के परिवार की अधिकतम वार्षिक आय 6 लाख रुपये तक बढ़ा दी गई है। उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत छात्र विदेश में एमबीए कर सकते हैं। सरकार मुख्य रुप से स्नातकोत्तर, चिकित्सा पाठ्यक्रम, बी.टेक इंजीनियरिंग, विज्ञान और कृषि में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और अन्य विषयों के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

जिन उम्मीदवारों ने अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 12वीं और डिग्री पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है और विदेशी छात्रवृत्ति के इच्छुक हैं, उन्हें परियोजना अधिकारी, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना देवरी के कार्यालय से निर्धारित प्रपत्र में छात्रवृत्ति के लिए निरु शुल्क आवेदन पत्र प्राप्त करना चाहिए। परियोजना अतिरिक्त आयुक्त को प्रस्तुत की जानी है। देवरी कार्यालय के माध्यम से 5 जून 2022 तक आदिवासी विकास परियोजना अधिकारी, एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना देवरी ने अनुसूचित जनजाति के छात्रों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है।

अधिक जानकारी के लिए 07199-225144 पर कॉल करें।

रेडक्रॉस दिवस पर परिचर्चा में मुकुंद धुर्वे ने कहा

पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरुरी

बुलंद गोंदिया - विश्व रेडक्रास दिवस रेडक्रास भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पर्यावरण विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई थी। उपरोक्त कार्यक्रम मुकुंद धुर्वे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित दोहन कर विकास के साथ-साथ संरक्षण के लिए पौधारोपण भी जरुरी है, जिससे पर्यावरण का संतुलन बना रहे। उपरोक्त कार्यक्रम के प्रारंभ में रेड क्रॉस के मानद सचिव रवि कासलीवाल द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा रेडक्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनभर व भारत माता के तेलचित्र पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य के लिए आशीष चौहान का सत्कार किया गया तथा आजीवन सदस्यता प्रमाणपत्र संदीप जैन व प्रोफेसर मेहता को दिया गया। इस अवसर पर सामूहिक परिचर्चा का आयोजन किया गया था। जिसमें पर्यावरण तथा विश्व तापमान में वृद्धि व हमारे कर्तव्य पर चर्चा की गई। जिसमें उपस्थित अतिथियों द्वारा अपने उद्गार व्यक्त किए गए। सुषमा यदुवंशी, पूर्व पार्षद शकील मंसूरी, श्रीमती क्षत्रिय ने विचार व्यक्त किए। आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष मुकुंद धुर्वे, प्रमुख अतिथि प्रोफेसर एन.के. बहेकार, शकील मंसूरी, साहित्यकार रमेश शर्मा, नरेश गुप्ता, किंजल मेहता, राजेश दवे व ललित जीवनी उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक नरेश गुप्ता द्वारा परिचर्चा के महत्व व रेडक्रास की भूमिका पर अपनी प्रस्तावना रखी। साथ ही नगर के स्कूल कॉलेजों में प्रथम उपचार फर्स्टऐड एवं प्राकृतिक आपदा से बचाव पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने पर मानव सचिव रवि कासलीवाल द्वारा विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राजेश दवे व आभार प्रदर्शन ललित जीवाणी ने किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की सफलता के लिए विशाल ठाकुर ने विशेष सहयोग दिया।

२० मई को कृउबास अर्जुनी मोरगांव में

भव्य किसान सम्मेलन

बुलंद संवाददाता अर्जुन मोर - कृषि और सहकारिता विभाग के सहयोग से आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत किसान भागीदारी प्राथमिकता हमारी अंतर्गत भव्य किसान सम्मेलन का आयोजन कृषी उत्पन्न बाजार समिती अर्जुनी मोरगाव में 20 मई 2022 रोज शुक्रवार को दोपहर 12 बजे आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, कार्यक्रम के अध्यक्ष राजेंद्र जैन, पूर्व विधायक और गोंदिया जिला केंद्रीय सहकारी बैंक गोंदिया के अध्यक्ष, मुख्य मार्गदर्शक रवींद्र भोसले, संभागीय संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. देवानंद पंचभाई, प्रधान कृषि महाविद्यालय नागपुर, डॉ. हरीश सवाई, डॉ. रतिराम खोबरागड़े, रंगनाथ कटारे, गोंदिया जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पाटिल, शुद्धोधन कांबले, जिला सहकारी समितियों गोंदिया के उप पंजीयक डॉ. विजय सूर्यवंशी, अनुमंडल पदाधिकारी अर्जुनी मोरगांव, मंजूषा बरसागड़े महापौर नगर पंचायत अर्जुनी मोरगांव, सविता कोडापे अध्यक्ष पंचायत समिति अर्जुनी मोरगांव आदि उपस्थित रहेंगे। इस दौरान किसानों को इनाम योजना, मक्का, सब्जियां, बाग, अन्य नकदी फसलें, धान समेत अन्य मुद्दों पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। हालांकि कृषि उत्पादन बाजार समिति के मुख्य प्रशासक अर्जुनी मोरगांव, लोकपाल गहाणे, प्रशासक बंशीधर लांजे, गिरीश पालीवाल, उद्धव मेहंदले, प्रभारी सचिव संजय सून सिंगंजुड़े ने बड़े किसान भाई-बहनों से बड़ी संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

उप-जिला चिकित्सालय तिरोड़ा में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

बुलंद गोंदिया - उप-जिला चिकित्सालय तिरोड़ा में फलोरेंस नाइटिंगेल का जन्मदिन अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रुप में वैद्यकिय अधीक्षक डॉ हिम्मत मेश्राम की अध्यक्षता में में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य रुप से डॉ. शीतल खंडेलवाल, डॉ.सुनीता थतेरे, डॉ.सायस केंद्रे, धनिका मेश्राम सहाक्यक मेट्रन, यामिनी पारधी प्रभारी सिस्टर, शोरलेट भांडारकर ओटी प्रभारी, सुषमा भिवगडे एलआर प्रभारी, जयश्री बघेले, संगीता बन्सोड, संगिता बन्सोड, एस. नंदेश्वर, निकम मेश्राम, प्रतीक्षा आवळे, नितेश पारधी, मौसामी मेश्राम, सुनीता मेश्राम, रिता कोल्हटकर, माया भगत, नितीन फुटाणे, अजय वैद्य, कमलेश शुक्ला, दिनेश बल्ले, लीलाधर कुसराम, व्ही.डी. मेश्राम, राहुल निशाण बडगे, नितेश निकम मेश्राम, जियालाल उके, रवींद्र बिसेन, रमेश कालसर्पे, खडके, शरद देशमुख उपस्थित थे।

गोंदिया-भंडारा जिले के किसान सरकारी धान खरीदी से नहीं रहेंगे वंचित - सांसद मेंढे

प्रति एकड़ 16 क्विंटल धान की होंगी खरीदी

बुलंद गोंदिया - रबी धान की सरकारी खरीदी के संबंध में महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा भेजी गई गलत जानकारी के कारण गोंदिया-भंडारा जिले में धान उत्पादक किसान चिंतित थे। किसानों की चिंता दूर करने के लिए सांसद सुनील मेंढे ने अधिग्रहण एवं सार्वजनिक वितरण नीति के निदेशक मकरंद फड़के से चर्चा की। राज्य सरकार द्वारा केन्द्र को अपर्याप्त जानकारी भेजे जाने के कारण केन्द्र सरकार गत वर्ष की तुलना में धान उपार्जन के लक्ष्य को दे नहीं सकी। राज्य शासन द्वारा धान की उचित जानकारी भेजने के बाद धान उपार्जन के उद्देश्य को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार इस बात का पूरा ध्यान रखेगी कि दोनों जिलों का कोई भी धान किसान सरकारी धान खरीद से वंचित न रहे।

किसानो मे गलत सूचना फैलाई जा रही थी कि प्रति एकड़ केवल 8 क्विंटल धान खरीदा जायेंगा। इससे किसान बेहाल हो गया। हालांकि, जैसा कि आज केंद्रीय स्तर पर चर्चा की गई है, जिसमे प्रति एकड़ 16 क्विंटल धान की खरीद की जाएगी और किसानों को चिंता नहीं करनी चाहिए, ऐसा विश्वास सांसद सुनील मेंढे ने दिलाया।

प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना में गोंदिया जिला महाराष्ट्र में प्रथम

बुलंद गोंदिया - मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना को लॉकडाउन के दौरान भी अच्छा रिस्पॉन्स मिला। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत जिले में 16600 माताओं का पंजीकरण किया गया है और 2 मई 2022 तक 50049 माताओं के बैंक खातों में 22 करोड़ 47 लाख 91 हजार रुपये की राशि जमा की गई है। जिले की 107 प्रतिशत माताओं को इस योजना का लाभ दिया गया है। जिले में प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के तहत कुल 148144 आवेदन प्राप्त हुए हैं, और आवेदन के अनुसार 136262 माताओं को इस योजना का लाभ दिया गया है. गरीबी रेखा से नीचे और गरीबी रेखा से ऊपर जीवन यापन करने वाली कई गर्भवती महिलाएं आर्थिक रुप से कमजोर होती हैं।

इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना शुरु की है। लाभार्थियों को उनके आधार से जुड़े बैंक खाते में तीन चरणों में 5000 रुपये का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए लाभार्थी और उसके पति का आधार कार्ड, लाभार्थी के आधार कार्ड से जुड़ा बैंक खाता, 150 दिनों के भीतर सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में गर्भावस्था का

पंजीकरण, जन्म पंजीकरण प्रमाण पत्र और प्राथमिक टीकाकरण प्रत्येक की आवश्यकता है। स्वीकृत, योजना ऐसे पर लागू नहीं होती है ।

आशा कार्यकर्ता, आंगनबाडी सेविका, समूह प्रवर्तक, आरोग्य सेविका-सेवक, आरोग्य सहायक-सहायिका मातृवंदना योजना के क्रियान्वयन में लाभार्थियों को प्रेरित कर रहे हैं।ये सभी डाटा एंट्री ऑपरेटर की मदद से आवेदन भर रहे हैं। जिला स्तर से जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े, जिला मातृ एवं शिशु देखभाल अधिकारी दिनेश सुतार, जिला सर्जन डॉ अमरीश मोहबे, जिला कार्यक्रम प्रबंधक (एनएचएम) सुश्री अर्चना वानखेड़े, जिला कार्यक्रम समन्वयक कैलास खांडेकर और तहसील स्तर के सभी स्वास्थ्य अधिकारी समय-समय पर अनुवर्ती कार्रवाई कर रहे हैं।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े के अनुसार माताओं के पहले जत्थे को इस रुप में सरकार की ओर से वरदान मिला और यह सुझाव दिया जाता है कि यह योजना जिले में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने की थी। प्रधानमंत्री मातृवंदना जिला कार्यक्रम समन्वयक कैलास खांडेकर ने योजना के लाभ के लिए पहली बार जन्म लेने वाली सभी माताओं को पंजीकरण कराने की चुनौती दी है। जिले में प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना के बारे में जागरुकता श्री प्रशांत खरात जिला आईईसी अधिकारियों के मार्गदर्शन में इसकी शुरुआत शानदार तरीके से हुई है। जिलाधिकारी ने जिले की सभी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं से अपील की है कि सभी पात्र गर्भवती माताएं प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना से वंचित न रहें, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करें. जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अनिल पाटिल ने इस कार्यक्रम को लागू करते हुए ग्राम से लेकर जिला स्तर तक टीम वर्क किया है और इस सफलता के लिए सभी की सराहना की है।

८ क्विंटल की शर्त को रद्द कर ४५ क्विंटल प्रति हेक्टेयर करें - विधायक विनोद अग्रवाल

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री व राज्य सचिव से की चर्चा

बुलंद गोंदिया - तहसील के अनेक किसानो ने अपनी समस्या से विधायक विनोद अग्रवाल को अवगत कराया। जिसमे किसानो ने अपनी समस्या बताते हुए बतलाया कि सातबारा ऑनलाइन करने की तारीख समाप्त हो चुकी है, इसके लिए सातबारा ऑनलाइन करने की अवधी 10 दिन बढाई जाए और प्रति हेक्टर 8 क्विंटल के जगह प्रति हेक्टर 45 क्विंटल की जाए। क्योंकि गोंदिया के जिला कृषी अधिकारी के सर्वे के मुताबिक किसानो की फसल प्रति हेक्टर 45 क्विंटल का उत्पादन है। इसके लिए प्रति हेक्टर 8 क्विंटल की शर्त रद्द कर प्रति हेक्टर 45 क्विंटल की जाए तथा धान खरीदी की अंतिम तारीख 30 जुन तक बढाई जाये। विधायक विनोद अग्रवाल ने राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव वाघमारे से बात करते हुए उन्हें किसानों की समस्याओं से अवगत कराया और राज्य के मंत्री और सचिव को पत्र लिखकर सभी समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग की। उन्होंने विधायक अग्रवाल को समस्या के समाधान का आश्वासन भी दिया। सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति वाघमारे से चर्चा करते हुए विधायक विनोद अग्रवाल ने किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द नहीं होने पर किसानों के हित में सड़कों पर उतरने की चेतावनी भी दी।

नागरिकों के विचार जानने एक समर्पित आयोग के दौरे की घोषणा

बुलंद गोंदिया - जिला परिषदों, पंचायत समिति, ग्राम पंचायतों और नगर निगमों, नगर पालिकाओं में पिछड़े वर्गो (अन्य पिछड़ा वर्ग, वंचित जातियों, घुमंतू जनजातियों) को आरक्षण देने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार महाराष्ट्र सरकार द्वारा समर्पित आयोग और महाराष्ट्र में नगर पंचायतों का गठन किया गया है। आयोग ने महाराष्ट्र राज्य में ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गो के नागरिकों के आरक्षण के लिए लोगों के विचारों को जानने और क्षेत्र में काम कर रहे विभिन्न सामाजिक संगठनों के बयानों को स्वीकार करने के लिए एक विभागीय कार्यक्रम की घोषणा की है।

समर्पित आयोग शनिवार 21 मई 2022 को सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक वे मंडलायुक्त कार्यालय, पुणे का दौरा करेंगे। रविवार 22 मई 2022 को सुबह 9. 30 बजे से 11.30 बजे तक वे मंडलायुक्त कार्यालय, औरंगाबाद का दौरा करेंगे और उसी दिन शाम 5.30 बजे से शाम 7.30 बजे तक संभागीय आयुक्त कार्यालय, नासिक का दौरा करेंगे। बुधवार 25 मई 2022 को दोपहर 2.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक मंडलायुक्त कार्यालय, कोंकण भवन का दौरा करेंगे। शनिवार को 28 मई 2022 को प्रात: 9.30 बजे से 11.30 बजे तक संभागीय आयुक्त कार्यालय, अमरावती में और उसी दिन शाम 4.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक संभागीय आयुक्त कार्यालय, नागपुर में।

नागरिकों को यात्रा की तारीख से पहले संबंधित संभागीय आयुक्त के कार्यालय में अपना नाम दर्ज करना चाहिए ताकि नागरिक अपने विचार व्यक्त कर सकें और इस समर्पित आयोग की यात्रा के दौरान समय पर अपना प्रतिनिधित्व कर सकें। साथ ही इस समर्पित आयोग के सदस्य सचिव पंकज कुमार (आईएएस) से अपील की कि इसके लिए संबंधित संभागीय आयुक्त कार्यालय से संपर्क करें।

पूर्वमंत्री बडोले ने किया भगवान बुद्ध और बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमाओं का अनावरण

बुलंद संवाददाता अर्जुनी मोरगांव - अर्जुनी मोरगांव तहसील के राजीवनगर में बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर पूर्व सामाजिक न्याय और विशेष सहायता मंत्री राजकुमार बडोले के हस्ते भगवान गौतम बुद्ध व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की एक पूर्ण आकार की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत धानगाये, शारदा बडोले, नगरसेवक यशकुमार शहारे, राधेश्याम भेंडारकर, सुशील लांडे, मीना शहरे उपस्थित थे। इस अवसर पर बड़ोले ने अपने संबोधन में बताया कि भगवान बुद्ध का मार्ग मानव कल्याण का मार्ग है, बुद्ध ने ज्ञान, सदाचार, करुणा, मानवता और शांति का संदेश दिया। सभी को बुद्ध के धम्म का आचरण करना चाहिए। मानव कल्याण के लिए मित्रता की भावना रखते हुए एक सदाचारी रवैया होना चाहिए। क्या बौद्ध धर्म को समझने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने अभ्यास में अष्टांग मार्ग का उपयोग करता है? इस पर विचार करने का आव्हान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार विलास रामटेके ने किया।

वॉलीबॉल खेल के लिए खिलाड़ियों का परीक्षण

बुलंद गोंदिया - राज्य में वॉलीबॉल की परंपरा है। खेल विभिन्न जिलों से प्रतियोगिताओं और मनोरंजन के माध्यम से खेला जाता है। इसमें से राज्य के उस्मानाबाद, परभणी, औरंगाबाद, यवतमाल, वर्धा, अमरावती, पुणे, सांगली, बरसी (सोलापुर) जिलों से कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने हैं। वर्तमान में राज्य में खेल के प्रति रवैया, उदासीनता, राज्य/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानकों के लिए आवश्यक खिलाड़ियों की ऊंचाई, साथ ही प्रशिक्षण और अभ्यास की उपेक्षा ने खेल और उसके खिलाड़ियों को कम कर दिया है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में महाराष्ट्र का पिछड़ापन भारतीय टीम में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के साथ-साथ आयकर विभाग, रेलवे, ओएनजीसी, सेवाओं आदि में बहुत कम है या दिखाई नहीं देता है।

शिवछत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पुणे में वॉलीबॉल और खिलाड़ियों के भविष्य के लिए 16 साल से कम उम्र की 30 लड़कियों के लिए 20 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण पीसी पांडियन, अंतर्राष्ट्रीय कोच, तमिलनाडु द्वारा किया जाएगा।

इन खिलाड़ियों की उम्र 1 जनवरी 2023 को 16 साल से कम होनी चाहिए, ऊंचाई 175 सेमी, चाहे वे स्कूल में हों या नहीं। हालांकि, अधिक से अधिक पात्र खिलाड़ी भाग लें, जिला खेल अधिकारी घनश्याम राठौर ने अपील की। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल अधिकारी कार्यालय से संपर्क करें।

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर के जन्मदिन पर चिकित्सालय में फल वितरण

बुलंद गोंदिया - 13 मई को आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकरजी के जन्मदिन के अवसर पर ग्रामीण चिकित्सालय आमगांव और पीएचसी बनगांव मे मरीजो को फल वितरन किया गया। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार आमगांव के घनश्याम अग्रवाल, शरद फुंडे, राजकुमार असाटी, प्रा. जेड.एस. बोरकर, गोपाल चौहान, आर.एच. चौहान, डॉ. बोपचे मैडम, डॉ. उपराडे मैडम, पीएचसी के डॉ. लांजेवार आदि उपस्थित थे।

नेहरु युवा केंद्र गोंदिया द्वारा योग महोत्सव मनाया गया

बुलंद गोंदिया - नेहरु युवा केंद्र गोंदिया युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जिला समन्वयक कुमारी स्वती डोंगरे के मार्गदर्शन में एवं कृतुराज यादव की अध्यक्षता में इंदिरा गांधी स्टेडियम में योग महोत्सव के अंतर्गत योगासन किया गया। जिसमें अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ की राष्ट्रीय संयुक्त सचिव माधुरी परमार के द्वारा सभी युवाओं को योगासन सिखाया गया एवं योग से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। साथ ही योग को अपने जीवन शैली में शामिल कर अपने शरीर व मस्तिष्क को स्वस्थ रखने को कहा एवं करे योग रहे निरोग का संदेश दिया।

इस कार्यक्रम में युवा एकता क्रीड़ा बहुउद्देश्यीय संस्था के अध्यक्ष कृतुराज यादव द्वारा व्यसन मुक्त युवा, युवा सोच, स्वच्छ भारत का संदेश दिया और शपथ ली कि हमें योगासन करके अपने स्वास्थ्य को कोरोना वायरस से बचाना है।

योग एवं प्राणायाम पर व्याख्यान

संतोष रोकड़े, अर्जुनी-मोर - अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के हिस्से के रुप में, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के आयुष दिशानिर्देशों के अनुसार कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा योग और प्राणायाम के महत्व पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया था। योग शिक्षक शोभा ठाकुर, सिद्धिविनायक स्कूल ताड़गाँव मौजूद थे। कॉलेज के प्राचार्य प्रा. व्याख्यान की अध्यक्षता ईश्वर मोहुर्ले, विक्रमसिंह ठाकुर, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोतीलाल दरवे, डॉ. गोपाल पालीवाल, प्रा. अजय राउत, रासेयो स्वयंसेवक और कॉलेज के छात्र बड़ी संख्या में मौजूद थे।

इस अवसर पर मार्गदर्शन देते हुए ठाकुर मैडम ने अपने जीवन में योगासन और प्राणायाम के महत्व के कई उदाहरण देकर छात्रों को आश्वस्त किया। स्वस्थ जीवन जीने के लिए सकारात्मक सोच की आवश्यकता होती है, जो आपके व्यक्तित्व को विकसित करने में मदद करती है, जिसके लिए भस्त्रिका, अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम के साथ-साथ कई आसन महत्वपूर्ण हैं, उन्होंने अपने मार्गदर्शन में कहा।

अध्यक्षीय भाषण से महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.ईश्वर मोहर्ले को 24 घंटे में से एक घंटा योग और प्राणायाम के लिए

अलग रखना चाहिए, जिससे मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास में मदद मिलेगी। क्योंकि स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का निवास होता है, ऐसे मार्मिक विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की योजना बनाने के पीछे की भूमिका परिचयात्मक राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मोतीलाल दरवे ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रेमलता उपरीकर ने किया और धन्यवाद प्रस्ताव मंजली दहीवाले ने दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए मेघा जंबुलकर, शालिनी गेदम, विशाल कोल्हे और अन्य सभी छात्रों ने कड़ी मेहनत की।

गोंदिया रेलवे वाणिज्य निरीक्षक अरविंद साहु का सत्कार

बुलंद गोंदिया - रेलवे विभाग गोंदिया में कार्यरत मुख्य वाणिज्य निरीक्षक अरविंद साहु का दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समिति ओर से सम्मान किया गया। अरविंद साहू गोंदिया रेलवे विभाग में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक पद पर कार्यरत थे। उनका स्थानांतरण नागपुर विभाग में किया गया है। गोंदिया में 12 साल के कार्यकाल में उन्होंने रेलवे विभाग तथा यात्रियों से जुड़ी अनेक समस्याओं की ओर मुख्य रेलवे विभाग का ध्यान आकर्षित किया था। रेलवे स्टेशन के सौंदर्यकरण में उनका विशेष योगदान रहा है। कोरोनाकाल में यात्रियों को होने वाली असुविधाओं तथा समस्याओं का निराकरण नियमित रुप से अरविंद साहू ने किया था। रेलवे गोंदिया में आने वाले सभी विभाग तथा उन विभाग में कार्यरत सभी संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारियों से मिलजुलकर काम करने की उनकी कला को सराहा व प्रशंसा की गई। इसी को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समिति की ओर से उनका शॉल श्रीफल सम्मान चिन्ह देकर सपत्नी सत्कार किया गया। इस कार्यक्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे समिति के सदस्य छैलबिहारी अग्रवाल, सूरज नशीनें, दिव्या भगत पारधी, हरीश अग्रवाल, राजेंद्र कावड़े उपस्थित थे।

रबी धान खरीदी पंजीयन की अवधि बढ़ाने व धान खरीदी केंद्र शुरु करने की मांग

राकांपा के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी को सौपा

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिले में रबी मौसम 2021-22 में किसानों से धान खरीदी के पंजीयन की समय अवधि बढ़ाने तथा जिले में धान खरीदी केंद्र तत्काल शुरु करने के संदर्भ में गोंदिया जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी नयना गुंडे को ज्ञापन देकर मांग की। उपरोक्त ज्ञापन जिला अध्यक्ष गंगाधर परशुरामकर के नेतृत्व में दिया गया।

गोंदिया जिले में बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा ग्रीष्मकालीन धान की बुवाई की गई है। उन्हें धान बिक्री के लिए ऑनलाइन पंजीयन 30 अप्रैल 2022 तक किया जाना था। किंतु पोर्टल पर इंटरनेट व्यस्तता, पटवारी से सातबारा न मिलने, समय पर लिंक न होने के चलते बड़ी संख्या में फसल का पंजीयन नहीं हो पाया है। साथ ही जिन किसानों को अतिक्रमण एवं जमीन पट्टे दिए गए हैं, उनसे भी धान खरीदी के लिए पोर्टल की शुरुआत नहीं हुई है। जिसके चलते जिले के अधिकांश किसान ऑनलाइन पंजीयन से वंचित हैं। इस कारण रबी मौसम में उन्हें धान बिक्री के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

धान खरीदी में समस्या निर्माण हो रही है जिसके चलते किसानों को पंजीयन के लिए समय अवधि बढ़ाने व अतिक्रमण पट्टेधारक से धान खरीदी करने के संदर्भ में जिलास्तर पर उचित कार्रवाई की जाए। साथ ही रबी मौसम का धान की कटाई होने के पश्चात खुले में पड़ा हुआ है, जिसके चलते धान खरीदी केंद्र जल्द से जल्द शुरु कर खरीदी की जाए, ऐसा ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा गया। इस अवसर पर गंगाधर परशुरामकर, यशवंत गणवीर उपाध्यक्ष जि.प., किशोर तरोणे, केतन तुरकर, अखिलेश सेठ, शिवलाल जमरे, सुरेंद्र रहांगडाले, डॉ. दिपक रहेले, सुखदेव मेंढे, युवराज ब्राम्हणकर, पुरुषोत्तम नंदेश्वर, वीरेंद्र इलपाते, ऋषी पुस्तोडे, भास्कर काठेवार सहित राष्ट्रवादी कांग्रेस के पदाधिकारी व किसान उपस्थित थे।

अपने परिसर में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ

वन अधिकारियों की तानाशाही
ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने वनवासियों के साथ बदसलूकी
दलबल सहित पहुंचकर संकलित तेंदूपत्ता को पहुंचाया नुकसान, की आर्थिक हानि

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला जंगलो से घिरा हुआ है। यहां की 60प्रश से अधिक आबादी जंगलों में निवास करती है। केंद्र सरकार ने इन वन निवासी अनुसूचित जाति/जमाती व अन्य पारंपरिक वन निवासियों को वन अधिकार कानून 2006, नियम 2008 व सुधारित अधिनियम 2012 के तहत जीवन जीने का अधिकार व अनेक मामलों में स्वामित्व अधिकार प्रदान किया है। बावजूद वन अधिकारियों द्वारा इन्हें मिलें अधिकारों का हनन कर उनपर अन्याय व अत्याचार किया जा रहा है।

14 मई 2022 को गोंदिया के फॉरेस्ट अधिकारी सहायक वन संरक्षक (तेंदू कैम्प) आर.आर. सदगीर, सहायक वन संरक्षक (रोहयो) प्रदीप पाटील अपने सैकड़ो कर्मी व पुलिस के दलबल को लेकर सड़क अर्जुनी तहसील के जांभड़ी/दोड़के पहुँचे। वन अधिकारियों ने सामुहिक वन हक्क व्यवस्थापन समिति (ग्रामसभा) द्वारा संकलित कर रखे गए तेंदूपत्ता को जबरन ये कहकर उठाने का प्रयास किया कि उन्हें वन हक्क का दावा प्राप्त नहीं हुआ, इसलिए तेंदुपत्ता संकलन करने का अधिकार नहीं।

इस मामले पर जांभड़ी/दोड़के में वन निवासियों एवं अधिकारियों के बीच तनाव की स्थिति निर्माण हुई। वन निवासियों ने कहा कि वन अधिकारी आजाद भारत में अनुसूचित जातिध्जमाती के वन निवासियों को मिले अधिकारों से वंचित कर हिटलर शाही रवैया अपना रहे है।

वन अधिकारियों द्वारा वन निवासियों के साथ हुई बदसलूकी, महिलाओं से अभद्र व्यवहार एवं संकलित तेंदुपत्ता की क्षति कर आर्थिक नुकसान पहुँचाने पर डुग्गीपार पुलिस थाने में अनुसूचित जाति/जमाती अन्याय व अत्याचार प्रतिबंधक कानून व वन हक्क कानून 2006 (फारेस्ट राइट एक्ट 2006) व अनुसूचित जाति/जमाती प्रतिबंधक कानून सुधारित 2015 अंतर्गत मामला दर्ज करने लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई है। साथ ही दो दिनों के भीतर कार्रवाई न करने पर आंदोलन के संकेत दिए है।

पूरा मामला क्या दरअसल वन निवासियों को जिसमें अनुसूचित जाति/जमाती व अन्य पारंपरिक वन निवासियों को वन अधिकार कानून 2006 के नियम 2008 व सुधारित नियम 2012 की कलम 3(1)(ग) अंतगर्त स्वामित्व का अधिकार प्राप्त है। इसके तहत गाँव की सीमा अंतर्गत व बाहर (पारंपरिक क्षेत्र) में जमा किया जाने वाला गौण वन उत्पादन (तेंदुपत्ता, मोहा फूल आदि) संकलित करने, उसका उपयोग करने, उसकी बिक्री करने, उस पर प्रक्रिया करने का अधिकार व स्वामित्व प्राप्त है। इसी तरह वन हक्क 2006 नियम 2012 की कलम 2 (घ) व अधिनियम की कलम 3 की सह कलम (1) के खंड (ग) अंतर्गत संकलित वनोंत्पादन पर प्रक्रिया करने, उसकी बिक्री, उसपर व्यक्तिक या सामूहिक तौर पर प्रकिया करने, संकलन करने, उसका मूल्यवर्धन करने, उनके उपजीविका हेतु संस्था, संघ या महासंघ के माध्यम से वन उत्पादन की ढुलाई व ढुलाई हेतु यातायात लाइसेंस देने का अधिकार है।

तेंदुपत्ता ठेकेदार से मिलते थे ढाई रुपया प्रति तेंदू बंडल, महासंघ के माध्यम से मिलते है साढ़े आठ रुपया प्रति बंडल

देश की न्यायपालिका संसद द्वारा अधिकार दिए जाने पर वन निवासियों ने शासन दर अनुसार ठेकेदार द्वारा तेंदुपत्ता की तुड़वाई करवाकर 70 पत्तो के एक बंडल पर ढाई रुपये घोषित किया है, परंतु जान जोखिम में डालकर पत्ता तुड़वाई करने वालों को इन कम पैसे के चलते उन्होंने अपनी जीविका को सुधारने इसी कानून का लाभ उठाकर 14-15 गाँव को मिलाकर एक ग्रामसभा महासंघ बनाया। इस ग्राम सभा महासंघ के अंतर्गत ग्रामसभा है जिसके अंतर्गत वन निवासी तेंदुपत्ता संकलन करते है। ग्राम सभा महासंघ उसकी निविदा निकालते है एवं इसी 70 पत्तो के एक बंडल की तुड़वाई वन निवासी की ढाई रुपये की जगह साढ़े आठ रुपये मिले ये व्यवस्था करते है। कुल मिलाकर ये पैसे सीधे तुड़वाई करने वाले के खाते में जमा होते है।

खुद के फायदे के लिए 10 साल से लटकाकर रखा वन हक्क परूे का मामला

ग्रामसभा महासंघ देवरी के सचिव गजानन शिवनकर, सह सचिव चरणदास चौहान, सामूहिक वन हक्क व्यवस्थापन समिति (ग्रामसभा) जांभड़ी/दोड़के के अध्यक्ष नुतनकमार मंडारे, सचिव विजयकुमार सोनवाने ने कहा कि वन धारक ने ग्रामसभा जांभली के सामूहिक वन हक्क दावा प्रकरण क्र 1049/देवरी जांभली/दोड़के/15 अनुसार कुल 2348-06 हेक्टेयर आर क्षेत्र के दावे हेतु उपविभागीय अधिकारी कार्यालय को प्रस्ताव भेजा था। परंतु उस प्रस्ताव को जानबूझकर 10 साल से लटकाकर रखा गया और वन निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया।

उन्होंने कहा कि आज ये अधिकारी वन हक्क पट्टे जांभली-दोड़के को प्राप्त नही कहकर संकलित तेंदू पत्ते उठाने आये। उन्होंने उन 40-50 गांव को भी देखना चाहिए जहां वनपट्टे प्राप्त न होकर तेंदुपत्ता संकलित हो रहा है। और ठेकेदार द्वारा उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन अधिकारी कुल मिलाकर वन निवासियों का अधिकार छीनकर ठेकेदारों को फायदा पहुँचाना चाहते है, ये हम होने नही देंगे। अगर दो दिन में इन अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो हमें आंदोलन का रास्ता अख्तियार करना पड़ेगा।

गोंदिया रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध विस्फोटक की जानकारी से मची सनसनी

बुलंद गोंदिया - गोंदिया रेलवे स्टेशन के दक्षिण मेन गेट व पार्सल ऑफिस में संदिग्ध विस्फोटक होने की सूचना गोंदिया रेलवे पुलिस निरीक्षक अनीता खेड़कर से प्राप्त होने के पश्चात रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया के प्रभारी नंद बहादुर द्वारा इसकी सूचना कंट्रोल रुम नागपुर को की गई। इसके पश्चात स्वान पथक गोंदिया, बीडीडीएस पथक गोंदिया के साथ रेलवे सुरक्षा बल, गोंदिया शहर पुलिस तथा गोंदिया रेलवे पुलिस के साथ सूचना के आधार पर स्टेशन के मेन गेट के समीप स्थित एक बैग को स्वान पथक की सहायता से चेक किया गया, जिसमें कुछ नहीं मिला। जिसके पश्चात पार्सल ऑफिस के गोदाम में श्वान दस्ता व बीडीडीएस के यंत्रों द्वारा चेक किया गया जिसमें भी कुछ नहीं मिला।

उल्लेखनीय है कि यह अभियान एक मॉक ड्रिल के रुप में किया गया था, जिसमें यात्रियों में जनजागृति किया जा सके। विशेष यह है कि रेलवे स्टेशन परिसर में किसी भी आपात स्थिति व संदिग्ध वस्तु के मिलने पर सुरक्षा बल की कार्यप्रणाली की सजगता को परखने के लिए समय-समय पर मॉक ड्रिल की जाती है। इस मॉक ड्रिल अभियान के दौरान यात्रियों में जन जागरुकता की गई। जिसमें जानकारी दी गई कि रेलवे स्टेशन व ट्रेनों में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर इसकी सूचना तत्काल रेलवे सुरक्षा बल व रेलवे पुलिस अथवा 139 हेल्पलाइन नंबर पर सूचित करें, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

उपरोक्त मॉक ड्रिल में किसी भी प्रकार का हादसा या रेलवे संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ तथा इस अभियान के दौरान रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी नंद बहादुर गोंदिया, गोंदिया रेलवे पुलिस की निरीक्षक अनीता खेड़कर गोंदिया शहर पुलिस के अधिकारी व पुलिस कर्मचारी उपस्थित थे।

देवरी तहसील कार्यालय में स्थाई तहसीलदार की मांग

बुलंद संवाददाता देवरी - देवरी तहसील कार्यालय में पिछले एक साल से स्थायी तहसीलदार नहीं होने से सारा भार नायब तहसीलदार व अन्य कर्मचारियों पर आ गया है। नतीजतन, नागरिकों के तहसील संबंधी कार्य समय पर पूरे नहीं हो पाते हैं। इसलिए किसान, छात्र और नागरिक अब मांग कर रहे हैं कि देवरी तहसील कार्यालय को स्थायी तहसीलदार दिया जाए। चूंकि कोई स्थायी तहसीलदार नहीं है, तहसील में किसानों और छात्रों को अपना काम समय पर नहीं हो रहा है और तहसील के कई हिस्सों में अवैध उत्खनन बड़े पैमाने पर हो रहा है। कहीं कहीं तो पटवारियों की दबंगाई चल रही है। नागरिकों की ओर से स्थाई तहसीलदार की मांग की जा रही है। कई वर्षो बाद भी देवरी तहसील कार्यालय में कोई स्थाई तहसीलदार नहीं है। इससे कार्यालय में अफरातफरी का माहौल है। नायब तहसीलदार, लिपिक, कोतवाल और मुख्य लिपिक सभी कार्यो के प्रभारी हैं। इसके कारण तहसील के किसानों, छात्रों और नागरिकों के कई कार्य लंबित हैं। तहसील में कुछ पटवारी कार्यालयों पर तहसीलदार के अनुपालन न करने के कारण, अवैध उत्खनन जोरों पर है। जिसमें सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। इसका फायदा उठाकर प्रशासनिक कार्यो में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए लोगों की असुविधा को देखते हुए तत्काल एक स्थायी तहसीलदार की नियुक्ति की जाए। ऐसी मांग अब नागरिकों के बीच जोर पकड़ रही है।

राकांपा सर्वसाधारण के कल्याण के लिए सदैव प्रयासरत रहेगी - जैन

बुलंद गोंदिया - सड़क अर्जुनी तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिलाध्यक्ष गंगाधर परशुरामकर की उपस्थिति में कोहमारा में तहसील के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की मासिक बैठक हुई। इस दौरान नवनिर्वाचित जिप उपाध्यक्ष यशवंत गणवीर का गणमान्य व्यक्तियों ने शॉल और नारियल से अभिनंदन किया। राजेन्द्र जैन ने सड़क अर्जुनी युवा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तहसील कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर पूर्व विधायक जैन ने कहा कि पार्टी जनता के कल्याण के लिए सदैव तत्पर है। गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से महंगाई तेजी से बढ़ी है। किसानों की फसलों के लिए आवश्यक उर्वरकों की लागत और खेती की लागत में भारी वृद्धि आम जनता की कमर तोड़ रही है। जैन ने कहा कि राकांपा प्रफुल पटेल के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा रबी की उपज की खरीद में किसानों की बाधा के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर आम जनता के हित के लिए काम करेगी। बैठक में राजेंद्र जैन, गंगाधर परशुरामकर, यशवंत गणवीर, अविनाश काशीवार, आर.बी.वाढई, डी. यू.रहांगडाले, आनंद अग्रवाल, वंदना डोंगरवार, रजनी गिरहेपुंजे, शशिकला टेम्भूर्णे, कामिनी कोवे, दीक्षा भगत, अनिता बांबोर्डे, छाया टेकाम, नरेश भेंडारकार,रमेश चुर्हे, चन्द्रिकापुरे, उमराव मांढरे, प्रशांत बलसंवार, राहुल यावलकर, ओमराज दखने, आनंद इडपाते, शामराव वासनिक, भैयालाल पुसतोड़े, विजय मेश्राम, रुपेश वाघमारे, सुभाष कापगते, हेमराज मेंढे, चूटे, झिंगरे, बड़ोले, लाडे, खोटेले, मेश्राम, रहांगडाले, डॉ चौधरी, कोरे, कापगते, गजभिये, खोटेले, लांजेवार, परशुरामकर, मंगेश कोल्हे, प्रमोद मेश्राम, चंदन मानकर, योगराज बंजे, अतुल फुके, सपनेश कोल्हे, अतुल बंसोड़, ओमप्रकाश बंसोड़, ओमेश कापगते व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से 30 लाख की निधी से सिमेंट रास्ता व नाली बांधकाम का भूमिपूजन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर के प्रभाग क्र.2 छोटा गोंदिया के शारदा चौक परिसर में विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से मंजूर 30 की निधी के रस्ता व नाली बांधकाम का भुमिपुजन संपन्न हुआ। जिसमे पदाधिकारी और प्रभागवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। भुमिपुजन के पश्चात ही रस्ता व नाली के निर्माणकार्य की शुरुवात की गई। विधायक विनोद अग्रवाल ने चुनाव पूर्व जनता से वादा किया था कि अब मार्ग के भुमिपुजन के साथ-साथ लोकार्पण भी किया जायेगा। आज उसी वादे के मुताबिक भुमिपुजन के साथ साथ शीघ्र काम तथा कार्य समाप्ती के बाद लोकार्पण भी संपूर्ण क्षेत्र में किया जा रहा है। उनके संकल्पना और कार्यप्रणाली से आज गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में कई बदलाव और विकासकार्य नजर आ रहे है।

भुमिपुजन कार्यक्रम के अवसर पर जनता की पार्टी (चाबी संघठन) के गोंदिया शहर अध्यक्ष कशिश जायसवाल, रोहित अग्रवाल, राहुल यादव, अभय मानकर, मयूर मेश्राम, संतोष पटले, अनिल शरणागत, डिम्पल तिर्थराज उके, डेईराम ठाकरे, रोशन पाचे, आशिष उईके, रमेश सोनवाने, सूर्यभान मेश्राम, ताकेश पहिरे, माजी नगरसेवक विनोद पंधरे, छोटू पंचबुद्धे, परिसर के वरिष्ठ नागरिक जयवंताबाई उके, शिलाबाई वाकडे, पुरनलाल ठाकरे, रमेश बागडे, बाबुलाल मुटकुरे, राहुल कर्णिक, बिसाऊ मात्रे, बाबुलाल उईके, प्रशांत वाकडे, तेजलाल उके, तानशेन गणवीर, मनोज सोनवाने आदी शारदा चौक परिसर के नागरिक तथा जनशक्ती बहु. सामाजिक संगठन गोंदिया के सभी पदाधिकारी, सदस्यगण उपस्थित थे।

शिक्षा क्षेत्र में गोंदिया शिक्षण संस्था का जिले में महत्वपूर्ण योगदान - शिवराजसिंह चौहान

बुलंद गोंदिया - मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एक कार्यक्रम हेतु गोंदिया आगमन होने पर के अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में गोंदिया शिक्षण संस्था द्वारा एनएमडी कॉलेज के ऑडिटोरियम में उनका भव्य सत्कार किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय मनोहरभाई पटेल द्वारा गोंदिया शिक्षण संस्था की स्थापना कर गोंदिया-भंडारा जिले में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की तथा शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिससे जिले में आज उच्च शिक्षा भी जिले वासियों को मिल रही है। आज का यह कार्यक्रम कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह एक पारिवारिक मिलन समारोह है। चौहान ने आगे कहा कि गोंदिया शिक्षण संस्था का कार्य सराहनीय है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई शिक्षा नीति लागू की है, जिसमें शिक्षा के साथ स्किल्ड भी है। नागरिकों के साथ में संस्कार देना, कर्मठ देशभक्त बनाना, शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान व कौशल देना है।

कार्यक्रम के शुभारंभ के पूर्व शिवराजसिंह चौहान द्वारा शिक्षा महर्षि स्वर्गीय मनोहरभाई पटेल के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया। जिसके पश्चात गोंदिया शिक्षण संस्था के सचिव पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान का शॉल, श्रीफल देकर उनका सत्कार कर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने अपने प्रस्तावना में गोंदिया शिक्षण संस्था की स्थापना, शिक्षा के क्षेत्र में दिए योगदान के संदर्भ में जानकारी दी। वहीं मुख्यमंत्री के रुप में प्रदेश के विकास और योजनाओं के माध्यम से जन-जन के बीच लोकप्रियता अर्जित करते हुए प्रदेश को सफलता के शिखर पर ले जाने वाले मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के कार्यो की प्रशंसा की तथा मुख्यमंत्री चौहान गोंदिया के दामाद होने के नाते गोंदिया जिले को भी उनके नेतृत्व से गौरवान्वित होने का अवसर प्राप्त हुआ है।

राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करें - स्मिता बेलपत्रे

बुलंद गोंदिया - व्यसन का स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और कई लोग व्यसन के कारण अवसाद से ग्रस्त हो जाते हैं। निवासी उप जिलाधिकारी स्मिता बेलपत्रे ने स्वस्थ एवं सक्षम समाज के निर्माण के लिए स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। वह राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के लिए जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में बोल रही थीं। इस अवसर पर जिला मौखिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल आटे और अधिकारी उपस्थित थे।

तंबाकू, गुटखा, खर्रा, नस, बीड़ी और सिगरेट की लत कैंसर को आमंत्रण है और उन्होंने नागरिकों से इस लत से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे से होने वाली बीमारियों के प्रति नागरिकों में जागरुकता होनी चाहिए। नशा करने वालों को सलाह दी जानी चाहिए और हतोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने स्कूल और कॉलेज परिसर के 200 मीटर के दायरे में तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उसी प्रकार व्यसनों के अनुभव भी सुनाए जाने चाहिए ताकि व्यसनी व्यसन की भयावहता को जान सके।

केंद्र सरकार द्वारा किए गए एक सर्वे के मुताबिक 13 से 15 साल के 14-06 फीसदी बच्चे तंबाकू का सेवन करते हैं। युवा लोगों के लिए यह खतरनाक है कि वे बोरियत, निराशाजनक विचारों, काम के तनाव, मानसिक तनाव को कम करने के लिए दोस्तों की संगति और दबाव, जिज्ञासा या प्रयोग में खुशी पाने की उम्मीद में तंबाकू की ओर रुख करें।

<u>तंबाकू से होने वाले रोग</u>

मुंह का कैंसर, यौन और प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य रोग, तंबाकू का सेवन करने वाली महिलाओं में बांझपन, रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी और अन्य रोग संभव हैं। तंबाकू को नियंत्रित करने के लिए एक राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम है जिसका स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन से स्वस्थ समाज के निर्माण में मदद मिलेगी। स्मिता बेलपत्रे ने व्यसनों से दूर रहकर स्वस्थ व दीर्घायु जीवन जीने का संदेश दिया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।